गज़ल

जिनके होठों पे हंसी,पांव में छाले होंगे
हां वहीं लोग,तेरे चाहने वाले होंगे

1–मय बरसती है रूहों पे नशा जारी है
मेरे साकी ने यहाँ जाम उछाले होंगे

2– शमां ले आए हैं हम जलवा गर जाना से
अब दो आलम में उजाले ही उजाले होंगे

3– हम बड़े नाज से आए थे तेरी महफिल में
क्या खबर थी लबे इजहार पे ताले होंगे